नईदुनिया

ढाका में मूसलाधार बारिश से जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

ढाका।
बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आज तड़के हुई बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। राजधानी के कई इलाकों में सड़कों पर इतना पानी भर गया कि राहगीरों को वापस घरों के लिए लौटना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी कामकाजी लोगों और स्कूली बच्चों और स्टाफ को हुई।

इतना पानी बरसा है कि कई सड़कें घुटनों तक पानी में डूबी हुई हैं। कुछ इलाकों में तो कमर तक पानी भर गया है। स्थानीय निवासियों और यात्रियों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। मीरपुर-10 क्षेत्र के एक निवासी ने कहा कि उसने सुबह करीब सात बजे रिक्शा से कारवां बाजार स्थित अपने कार्यालय जाने का प्रयास किया। मीरपुर-10 से शेवरापारा तक पूरे मार्ग पर पानी भरा मिला। एक बिंदु पर रिक्शा की सीट पानी में डूब गई। इस कारण उन्हें यात्रा छोड़कर घर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा।

इस स्थिति के कारण राजधानी में ट्रैफिक जाम है। वाहन सड़कों पर पानी में फंसे हुए हैं।

सीएनजी से चलने वाले ऑटो-रिक्शा विशेष रूप से प्रभावित हुए। कई के इंजन में पानी घुस गया। इसके बाद वह शुरू नहीं हो सके। फेसबुक ग्रुप ट्रैफिक अलर्ट में कहा गया है कि मीरपुर, बशुंधरा आर/ए, धनमंडी, ग्रीन रोड और बनानी में कई सड़कों पर फिलहाल पानी भरा हुआ है। यातायात अस्त-व्यस्त है।

बांग्लादेश मौसम विज्ञान कार्यालय ने सुबह एक बुलेटिन जारी किया है। इसमें ढाका सहित कई डिविजन में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की भविष्यवाणी की गई है।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नई योजना का किया ऐलान

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को एक नई विश्वसनीय टूर ऑपरेटर योजना (टीटीओएस) के निर्माण की घोषणा की। इसका शुरुआती फोकस भारत और चीन के उभरते पर्यटन बाजारों पर होगा। देश के गृह विभाग ने कहा कि जनवरी 2025 से लागू की जाने वाली इस योजना से वीजा प्रणाली में सुधार होगा और पर्यटन क्षेत्र में रोजगार में तेजी आने की उम्मीद है। दक्षिण अफ्रीका के गृह मंत्री लियोन श्रेइबर ने कहा, शोध से पता चलता है कि पर्यटन को प्रति वर्ष केवल 10 प्रतिशत बढ़ाने से वार्षिक आर्थिक विकास में 0।6 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और दक्षिण अफ्रीका के लोगों के लिए हजारों नए रोजगार सृजित हो सकते हैं। कुछ देशों के कई पर्यटकों के लिए बड़े समूहों में यात्रा करना पसंदीदा विकल्प है और अब समय आ गया है कि हमारी वीजा प्रणाली इस वास्तविकता को प्रतिबिंबित करने और इसका लाभ उठाने के लिए अनुकूल हो। मंत्री ने कहा, यह गृह मंत्रालय द्वारा आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की हमारी भूमिका को अपनाने की शुरुआत मात्र है। टीटीओएस अपने आप में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक अंतरिम उपाय है। हम गृह मंत्रालय को डिजिटल रूप से बदलने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक पूरी तरह से स्वचालित प्रक्रिया है, जो दुनिया भर के पर्यटकों को सुरक्षित पर्यटक वीजा परिणाम डिजिटल रूप से और कुछ सेकंड के भीतर प्रदान करती है।टीटीओएस दक्षिण अफ्रीका को दुनिया की दूसरी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक पसंदीदा पर्यटन स्थल बनने के रास्ते में आने वाली कुछ प्रमुख बाधाओं को दूर कर देगा। देश की सरकार के अनुसार, फिलहाल दक्षिण अफ्रीका आने वाले सभी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों में भारतीय पर्यटकों की संख्या केवल 3।9 प्रतिशत है।

भारत से हुए कई समझौतों को खत्म करने की तैयारी कर रही बांग्लादेश सरकार

ढाका। बांग्लादेश में भारी हिंसा और आगजनी के बीच अंतरिम सरकार बनी है। खबरें हैं कि मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ऐसे समझौतों की समीक्षा की तैयारी कर रही है, जो बांग्लादेश के लिए फायदेमंद नहीं हैं। हालांकि, अब तक बांग्लादेश की ओर से ऐसे किसी एमओयू के बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। इसके अलावा अंतरिम सरकार ने साफ किया है कि अगर कानूनी रूप से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस लाना जरूरी होता है, तो प्रत्यर्पण की कोशिश की जाएगी। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर पूर्व में हस्ताक्षर किए हुए कुछ समझौते मुल्क के लिए गैर फायदेमंद पाए जाते हैं, तो अंतरिम सरकार उनकी समीक्षा कर सकती है या कैंसिल भी कर सकती है। हालांकि, इसे लेकर अब तक अंतरिम सरकार की ओर से आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। कई रिपोर्ट्स के हवाले से लिखा है कि हाल ही में अंतरिम विदेश मंत्री तौहीद हुसैन ने हाल ही में कहा है कि एमओयू बाध्यकारी समझौते नहीं हैं और इन्हें संशोधित किया जा सकता है या वापस भी लिया जा सकता है। ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक को-ऑपरेशन की बैठक से लौटने के बाद हुसैन ने कहा, समझौते नहीं हैं। उनमें हमेशा संशोधन किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, कई राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अंतरिम सरकार को लगता है कि शेख हसीना प्रशासन के भारत के साथ करीबी संबंध थे और हो सकता है कि एमओयू पर हस्ताक्षर करते समय भारतीय हितों का खास ध्यान रखने के लिए मजबूर होना पड़ा हो। जून 2024 में शेख हसीना प्रशासन ने भारत के साथ कुल 10 एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। इनमें से 7 नए थे और 3 को रिन्यू किया जाना था। खबरें हैं कि बांग्लादेश को दिए जाने वाले भारतीय कर्ज को लेकर भी अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। प्लानिंग मंत्रालय इंडियन लाइन ऑफ क्रेडिट्स के जरिए जारी और प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में जल संसाधन मामलों की सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन ने कहा है कि सरकार तीस्ता जल बंटवारा संधि पर भारत के साथ बातचीत फिर से शुरू करना चाहती है। उन्होंने कहा कि ऊपरी तटवर्ती और निचले तटवर्ती देशों को जल बंटवारे पर अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। ढाका में बातचीत में हसन ने भरोसा जताया कि भारत के साथ तीस्ता संधि एवं अन्य जल बंटवारा संधियों पर विवाद को बातचीत के जरिए सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझा लिया जाएगा लेकिन उन्होंने सुझाव दिया कि अगर किसी समझौते पर नहीं पहुंचा जा सका तो बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय वैधानिक दस्तावेजों और सिद्धांतों पर विचार कर सकता है।

नेतन्याहू का ऐलान-युद्ध तभी रुकेगा जब हमास का सफाया होगा

तेल अवीव।
गाजा में बंधकों के साथ आतंकवादी समूह हमास की बर्बरता से महाशक्तियां विचलित हैं। छह बंधकों की हत्या से इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के प्रति लोगों में तीखा आक्रोश है। नेतन्याहू पर युद्धविराम के दबाव के लिए जनसैलाब सड़कों पर है। अमेरिका और ब्रिटेन के तेवर भी नरम पड़े हैं। बावजूद इसके प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गाजा से कदम पीछे हटाने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी समाचार पत्र के अनुसार, देश में हड़ताल और प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री नेतन्याहू सोमवार को पत्रकारों के सामने आए। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में साफ-साफ कहा कि युद्ध तभी समाप्त होगा जब इजराइल हमास को खत्म कर देगा। नेतन्याहू ने मिस्र की सीमा के साथ गाजा में भूमि की एक पट्टी पर इजराइल की निरंतर उपस्थिति पर कहा कि यह इजराइल की सुरक्षा के लिए जरूरी है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वाशिंगटन में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि नेतन्याहू बंधकों को घर लाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहे हैं।

ब्रिटेन ने भी घोषणा की है कि वह इजराइल को कुछ हथियारों की बिक्री को निलंबित कर देगा। संचार माध्यमों में कहा जा रहा है कि अभी भी हमास की कैद में लगभग 100 इजरायली बंधक हैं। हमास ने नेतन्याहू को धमकी दी है। हमास की सशस्त्र शाखा ने सोमवार को कहा है कि यदि सैन्य दबाव जारी रहा तो बंधकों को ताबूतों के अंदर इजराइल वापस भेज दिया जाएगा। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि इजराइली सैनिक आते हैं तो बंधकों की सुरक्षा करने वाले आतंकवादियों को नए निर्देश दिए गए हैं।

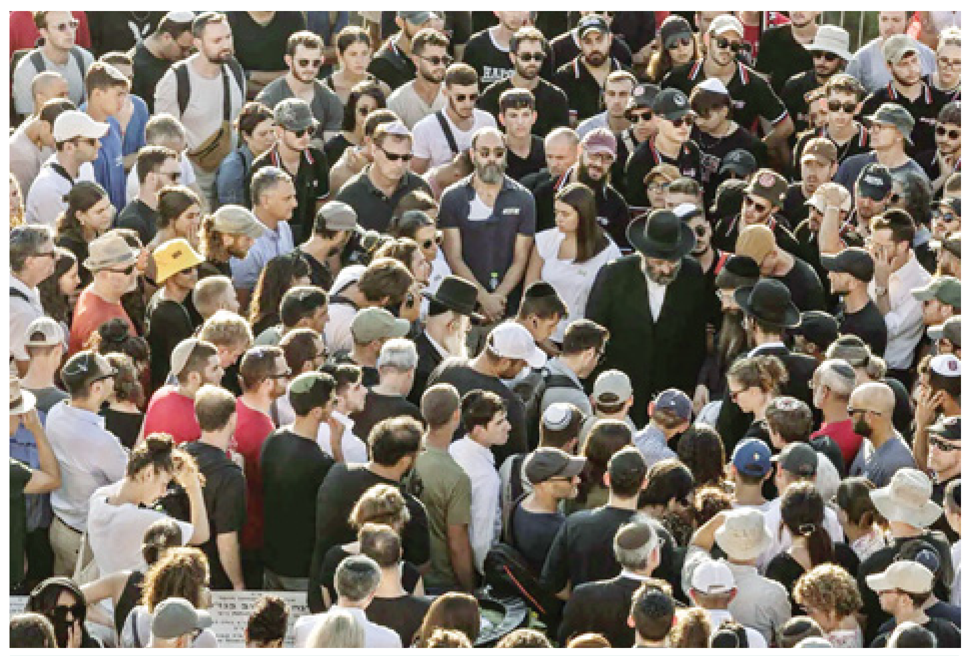

तुर्किये में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला, हिरासत में 15 लोग

अंकारा। तुर्किये के इजमिर में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया गया। हमलावर कुछ युवक थे जो दक्षिणपंथी तुर्की युवा समूह के सदस्य हैं। स्थानीय गवर्नर के कार्यालय ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हमले में शामिल 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। तुर्किये के युवा संघ (टीजीबी) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा, हमने अमेरिका के सबसे बड़े हमलावर जहाज यूएसएस वास्प पर तैनात अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया। अमेरिकी सैनिकों के हाथ हमारे सैनिकों और हजारों फिलिस्तीनियों के खून से सने हुए हैं। इसलिए वे हमारे देश को अपवित्र नहीं कर सकते। जब भी आप इस जमीन पर कदम रखेंगे। हम आपका ऐसा ही स्वागत करेंगे, जिसके आप हकदार हैं। तुर्किये मीडिया रिपोर्टों ने इजमिर गवर्नर के कार्यालय के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रवादी पार्टी की युवा विंग के सदस्यों ने कोनक सिटी में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया। उन्होंने बयान में कहा कि घटना के बाद पांच अमेरिकी सैनिकों ने हस्तक्षेप किया। सभी 15 हमलावरों को हिरासत में लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना का वीडियो भी शेयर किया है। वहीं, तुर्किये स्थित अमेरिकी दूतावास ने हमले की पुष्टि की और कहा कि सैनिक अब सुरक्षित हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, हम उन रिपोर्टों की पुष्टि करते हैं कि अमेरिका वास्प पर सवार अमेरिकी सेवा सदस्य आज इजमिर में हुए हमले के शिकार हुए थे, लेकिन अब वह सुरक्षित हैं। हम तुर्किये अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं, उन्होंने इसमें तत्काल कार्रवाई की।

दक्षिण अफ्रीका की ब्यूटी क्वीन बनीं मिस यूनिवर्स नाइजीरिया

एबूजा।
मिस यूनिवर्स नाइजीरिया का ताज 23 साल की चिदिम्मा एडेत्शिना को पहनाया गया है जो कानून की छात्रा हैं। राष्ट्रीयता को लेकर आलोचना और विवाद के बाद उन्होंने मिस साउथ अफ्रीका प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया था। दक्षिण अफ्रीका के सोवतो में वह पैदा हुईं। उनके पिता एक नाइजीरियाई और मां मोजाम्बिक की हैं। एडेत्शिना शुरू में मिस साउथ अफ्रीका में फाइनलिस्ट थीं। लेकिन उनकी भागीदारी की आलोचनाएं होने लगीं। आलोचकों ने उनकी मिश्रित विरासत के कारण उनकी योग्यता पर सवाल उठाए। विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि दक्षिण अफ्रीका के गृह मामलों के विभाग को जांच भी करनी पड़ गई। इस जांच में चिदिम्मा एडेत्शिना की ओर से कोई भी गलत काम करते नहीं पाया गया।

लेकिन सुझाव दिया कि उनकी मां ने दक्षिण अफ्रीका की नागरिकता पाने के लिए पहचान चुराई हो सकती है। अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आखिर में एडेत्शिना ने प्रतियोगिता से बाहर होने का फैसला किया। बाद में उनकी कहानी ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। प्रतियोगिता से हटने की बात जानकर मिस यूनिवर्स नाइजीरिया के आयोजकों ने उन्हें अपनी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया। इससे उन्हें वैश्विक मंच पर अपने पिता की मातृभूमि का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। शनिवार को लागोस में एडेत्शिना को मिस यूनिवर्स नाइजीरिया का ताज पहनाया गया। नवंबर में होने वाली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में वह नाजीरिया का प्रतिनिधित्व करेंगी। एडेत्शिना ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह ताज सिर्फ सुंदरता के लिए नहीं बल्कि एकता का आह्वान है। उनकी जीत को सोशल मीडिया पर जश्न के तौर पर देखा गया। उनके समर्थकों ने उनकी प्रशंसा की। लेकिन कई आलोचकों ने आरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर जीत दिलाई गई है।

ट्रंप से नाराज पत्नी मेलानिया.....चाहती हैं कमला हैरिस जीते

वाशिंगटन।
अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अब दो माह का ही समय बचा है। दोनों प्रमुख पार्टियां दमखम दिखाने में जुटी हैं। इस पर रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को लेकर खबर आई है जिससे उनके समर्थकों को झटका लग सकता है। व्हाइट हाउस के पूर्व संचार निदेशक एंथनी स्कारामुची ने उनकी पत्नी को लेकर कुछ दावे किए हैं। उनका कहना है कि मेलानिया ट्रम्प चाहती हैं कि कमला हैरिस ही जीतें। स्कारामुची के मुताबिक हैरिस के लिए मेलानिया का समर्थन सिर्फ राजनीतिक पसंद का मामला नहीं है, बल्कि यह उनके पति ट्रम्प के प्रति उनकी नफरत से भी जुड़ा है।

स्कारामुची ने कहा कि उनकी पत्नी उनसे इतनी नफरत हैं कि यह उनके राजनीतिक चयन को प्रभावित करती है। स्कारामुची ने कहा कि जनरल मार्क इकलौते व्यक्ति हैं जिन्हें वे जानते हैं जो मेलानिया की तुलना में ट्रम्प से ज्यादा नफरत करते हैं। उन्होंने चुटकी लेकर कहा, मेलानिया की नफरत इस बात का मानक तय करती है कि कोई व्यक्ति ट्रंप से कितनी नापसंद कर सकता है।

कौन हैं एंथनी स्कारामुची

व्हाइट हाउस संचार डायरेक्टर के रूप में काम करने वाले स्कारामुची ने 21 जुलाई से 31 जुलाई 2017 तक इस पद पर काम किया। उनके छोटे कार्यकाल में काफी ड्रामा और विवाद भी हुआ जिसमें सीन स्पाइसर का इस्तीफा भी शामिल था जो कथित तौर पर स्कारामुची की नियुक्ति से जुड़ा था। वहीं ट्रंप ने लगातार स्कारामुची की टिप्पणियों को व्यक्तिगत दुश्मनी बताया है।

इस बीच मेलानिया ने 2024 में ट्रंप के चुनावी अभियान से ज्यादातर मामलों में दूरी बना रखी है। ट्रंप पर हुए गंभीर हमलों के बाद एक संक्षिप्त सार्वजनिक बयान जारी करने के अलावा वह सुर्खियों से दूर ही रही हैं। वहीं 1 अक्टूबर को मेलानिया की आत्मकथा भी लांच होगी।

चेक गणराज्य पुलिस ने 29 प्रवासियों को हिरासत में लिया, एक महिला की मौत

प्राग।
चेक गणराज्य पुलिस ने प्रवासियों को लेकर जा रहे ट्रक को जब्त कर लिया है। इस ट्रक में 30 प्रवासी मिले। इनमें एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बाकी 29 प्रवासियों को हिरासत में ले लिया है। चेक गणराज्य पुलिस ने यह जानकारी एक्स हैंडल पर दी है।

पुलिस के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सोमवार रात 8ः00 बजे के बाद प्राग के उत्तर में राजमार्ग पर वेलटूसी के पास डी8 मोटर-वे पर प्रवासियों को लेकर जा रहे एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई। इन प्रवासियों को हिरासत में ले लिया गया। यह सभी पारगमन प्रवासी हैं।

पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद करीब 30 मिनट के लिए राजमार्ग को बंद करा दिया गया। इन प्रवासियों में से कुछ ने भागने की कोशिश भी की। पीछा करने पर छुप गए। उन्हें हेलिकॉप्टर की मदद से खोजा गया। इनमें से कुछ का का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। उनका मौके पर इलाज कराया गया। किसी को भी अस्पताल में दाखिल नहीं कराना पड़ा। इन लोगों की राष्ट्रीयता का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

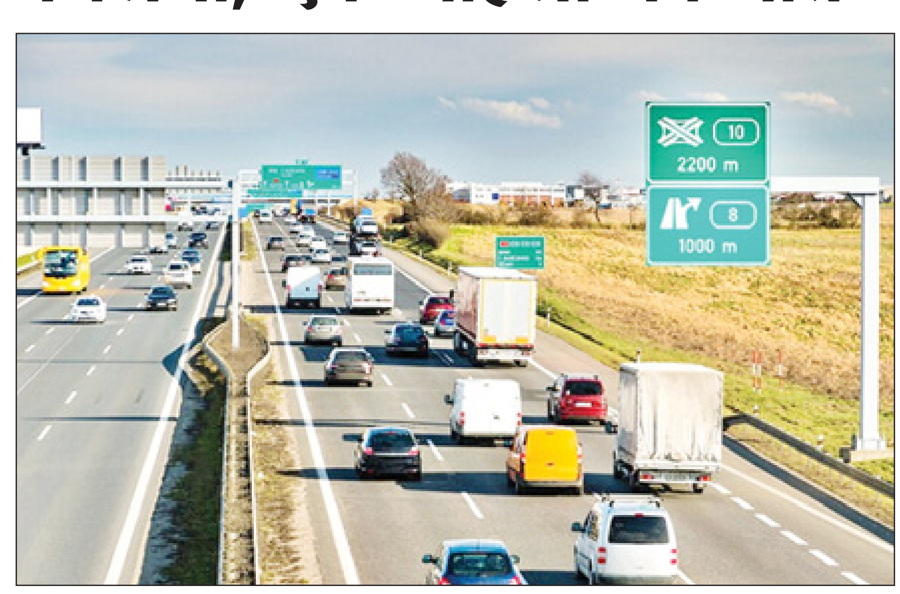

रेडियो प्राग इंटरनेशनल के अनुसार, चेक पुलिस ने लगभग 30 प्रवासियों को ले जा रहे एक ट्रक को रोका तो उनमें से कुछ ने कूदकर भागने का प्रयास किया। प्रवासियों का स्वास्थ्य खराब पाया गया और बचाव प्रयासों के बावजूद एक महिला की मृत्यु हो गई। यह घटना बोहेमिया और जर्मनी को जोड़ने वाले राजमार्ग डी8 पर सोमवार शाम हुई।

वेनेजुएलाः राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष का चेहरा रहे गोंजालेज के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

काराकास।
वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष की तरफ से उम्मीदवार रहे एडमंडो गोंजालेज के खिलाफ सोमवार को यहां की एक विशेष अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। गोंजालेज की गिरफ्तारी को लेकर वेनेजुएला के अटॉर्नी जनरल कार्यालय की मांग को विशेष आतंकवाद विरोधी अदालत के न्यायाधीश ने मंजूर कर लिया। गोंजालेज ने सोशल मीडिया पर समर्थकों से शांत रहने का आह्वान किया है।

अटार्नी जनरल कार्यालय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सोमवार को विशेष आतंकवाद विरोधी अदालत के न्यायाधीश को संबोधित एक पत्र पोस्ट किया था जिसमें गोंजालेज के खिलाफ दस्तावेजों की जालसाजी और कानून की अवहेलना करने के लिए उकसाने सहित कथित अपराधों का विवरण दिया था।इसमें गोंजालेज की गिरफ्तारी की मांग की गई थी। उल्लेखनीय है कि गोंजालेज के खिलाफ जांच चल रही है। तीन बार समन जारी होने के बावजूद वे अभियोजकों के सामने पेश नहीं हुए।

लंदन से छपने वाले अखबार द गार्जियन के अनुसार, अगर एडमंडो गोंजालेज दोषी ठहराए जाते हैं तो उन्हें अपना शेष जीवन सलाखों के पीछे गुजारना पड़ेगा। उन्हें 16 साल तक की सजा हो सकती है।

75 वर्षीय सेवानिवृत्त गोंजालेज 28 जुलाई के राष्ट्रपति चुनाव में प्रतिबंधित विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो के स्थान पर निकोलस मादुरो को चुनौती देने के लिए सहमत हुए थे।

राष्ट्रपति चुनाव में एक बार फिर निकोलस मादुरो की सत्ता में वापसी हुई। हालांकि, विपक्ष ने चुनावी धांधली के आरोप लगाए। ब्राजील, कोलंबिया, मैक्सिको सहित कई लैटिन अमेरिकी देशों ने चुनावी नतीजों को मानने से इनकार कर दिया। यूरोपीय संघ ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वेनेजुएला के ताकतवर व्यक्ति के पास राष्ट्रपति के रूप में कोई लोकतांत्रिक वैधता नहीं है।

राष्ट्रपति चुनाव के बाद देश में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुआ। आंदोलन को कुचलने के लिए सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया। रविवार को मानवाधिकार समूहों ने कहा कि सरकारी कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किए गए कम से कम 86 किशोरों को रिहा कर दिया गया है, लेकिन आतंकवाद के आरोप लगाकर सैकड़ों लोगों को उच्च सुरक्षा वाली जेलों में ले जाया गया है। इनमें वकील पर्किन्स रोचा भी शामिल हैं।